दिनांक 01, अक्टूबर 2015

# नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

## प्रेस विज्ञप्ति

''वन्य प्राणि सप्ताह (01–07 अक्टूबर) 2015'' का राज्य स्तरीय समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री संजीव सरन, प्रमुख सचिव वन, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री उमेन्द्र शर्मा, प्रमुख वन संरक्षक, श्री इकबाल सिंह, प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश वन निगम, श्री एस0के0 उपाध्याय, प्रमुख वन संरक्षक, श्री एस0के0 शर्मा, प्रमुख वन संरक्षक, श्री मणिकान्त, अपर प्रमुख वन संरक्षक, श्री आर0एस0 भदौरिया, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश,श्री आर0एल0 सिहं, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश, श्री डी0एन0एस0 सुमन, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश, श्री उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, श्री पियूष मोहन श्रीवास्तव, उप राजिक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के साथ वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री इकबाल सिंह, प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश वन निगम द्वारा मुख्य अतिथि को स्वागत किया गया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि अब लोगों में वन्य जीवों के प्रति प्रेम बढ़ा है और उन्हें बचाने के लिए लोग सहायता कर रहे हैं। श्री इकबाल सिहं ने कहा कि वन्य जीवों का संरक्षण आज की प्राथमिता है।

मुख्य अतिथि श्री संजीव सरन द्वारा ''वन्य प्राणि सप्ताह–2015 का शुभारम्भ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस कड़ी में पहला कदम इटावा लॉयन सफारी से किया गया है। मुख्य अतिथि ने कहा कि गोरखपुर में एक नया चिड़ियाघर बनाया जा रहा है जिसमें काफी तेजी से प्रगति हो रही है। श्री सरन ने कहा कि जल्द ही डाल्फिन मछलियों की काउन्टिंग शुरू की जायेगी। ऐसा माना जाता है कि जिस नदी में डाल्फिन होती हैं उस नदी का पानी उतना ही स्वच्छ होता है। श्री संजीव सरन ने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि वन विभाग ने 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया था जिसे वन विभाग ने 2 महीनें में ही पूर्ण कर लिया। इसके लिए उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने आवाह्न किया कि सभी लोग वन्य जीवों के संरक्षण में, वन्य जीवों के प्रोटेक्शन में लगे रहें। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस आन्दोलन में वन विभाग एवं उत्तर प्रदेश सरकार हर समय उनके साथ रहेगी।

इस अवसर पर श्री आर0एस0 भदौरिया, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश, ने कहा कि वह पिछले 55 वर्षों से वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले हमारे समाज में यह मान्यता थी कि वन्य जीवों को जीवित रहने का अधिकार नहीं है, लेकिन धीरे–धीरे यह धारणा बनी कि उन्हें भी जीवित रहने का अधिकार है। फिर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम (प्रोटेक्शन) कानून ने वन्य जीवों को बचाने में बहुत सहायता की। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख वन संरक्षक, श्री आर0एल0 सिंह ने आवाह्न किया कि सभी लोग वन्य जीवों के संरक्षण के सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ाऐं। उन्होंने वन्य जीवों को प्राणि उद्यानों में प्राकृतिक वातावरण देने की जरूरत पर बल दिया।

अन्त में श्री उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ ने समारोह में आये सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आज के समारोह में सरस्वती इण्टर कालेज, नरही के बच्चों ने भी इस समारोह में भाग लिया। प्राणि उद्यान द्वारा दर्शकों एवं बच्चों के टच एवं फील प्रोग्राम के तहत विभिन्न वन्य जीवों की खालें, सींग, सफेद कोब्रा, टाइगर का बच्चा, दरियायी घोड़े का जबड़ा, विभिन्न पक्षियों के पंख आदि रखे गये थे।

इस अवसर पर प्राणि उद्यान प्रशासन द्वारा इस समाज को मच्छरों से मुक्ति दिलाने की एक मुहिम चलायी गयी है। इस मुहिम में वन्य प्राणि सप्ताह– 2015 दिनांक 01.10.2015 से मच्छरों का लार्वा खाने वाली मछली का प्राणि उद्यान आने वाले दर्शकों को निःशुल्क वितरण प्राणि उद्यान द्वारा किया गया। इस मछली का नाम गंबूसिया है। इसे आप कहीं भी किसी भी तालाब, गढ्ढे, नाली या गटर में भी डाल सकते हैं। इसका मुख्य भोजन मच्छरों का लार्वा है। यह मछली अपने कुल भार का 40 प्रतिशत लारवा 12 घंटे में खा सकती है। यदि इस मछली को सभी लोग अपने आस–पास के तालाबों, गढ्ढों में डाल दे तो मच्छरों के उत्पादन में काफी हद तक कमी लायी जा सकती है।

इसी क्रम में लोकांजलि सांस्कृतिक ग्रुप द्वारा स्वागत गीत जो कि वन्य जीव एवं पर्यावरण पर आधारित था तथा वन एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक शपथ गीत भी प्रस्तुत किया। इस ग्रुप द्वारा कई अन्य गीत भी प्रस्तुत किये गये। इसी ग्रुप द्वारा वन्य जीव एवं पर्यावरण पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस ग्रुप में निम्न सदस्यों ने भाग लिया–

1. श्रीमती अंजलि खन्ना, गायक एवं दल नेता।
2. श्रीमती सीमा सारिका, मुख्य गायिका।
3. श्री अभिषेक श्रीवास्तव, गायक।
4. श्री शुभम सिंह, तबलावादक।

(–ह0)
(अनुपम गुप्ता)
निदेशक
लखनऊ प्राणि उद्यान